Literacy for a Billion

Movie: Leader
Year: 1964

Song: Apni Aazadi Ko Hum
Lyricist: Shakeel Badayuni

अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं
अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन
सर झुका सकते नहीं
सर झुका सकते नहीं

हमने सदियों में ये
आज़ादी की नेमत पाई है
हमने ये नेमत पाई है
सैंकड़ों कुरबानियाँ देकर
ये दौलत पाई है
हमने ये दौलत पाई है
मुस्कुराकर खाई हैं
सीनों पे अपने गोलियाँ
सीनों पे अपने गोलियाँ
कितने वीरानों से गुज़रे हैं
तो जन्नत पाई है
ख़ाक में हम अपनी
इज़्ज़त को मिला सकते नहीं
अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं

क्या चलेगी जुल्म की
अहले वफ़ा के सामने
अहले वफ़ा के सामने
आ नहीं सकता कोई
शोला हवा के सामने
शोला हवा के सामने
लाख फ़ौजें लेके आए
अम्न का दुश्मन कोई
लाख फ़ौजें लेके आए
अम्न का दुश्मन कोई
रुक नहीं सकता हमारी
एकता के सामने
हम वो पत्थर हैं
जिसे दुश्मन
हिला सकते नहीं

अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन
सर झुका सकते नहीं
सर झुका सकते नहीं

वक़्त की आवाज़ के
हम साथ चलते जाएँगे
हम साथ चलते जाएँगे
हर क़दम पर
ज़िन्दगी का रुख़
बदलते जाएँगे
हम रुख़ बदलते जाएँगे
गर वतन में भी मिलेगा
कोई गद्दारे वतन
जो कोई गद्दारे वतन
अपनी ताक़त से
हम उसका सर कुचलते जाएँगे

एक धोखा खा चुके हैं
और खा सकते नहीं

अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं

वन्दे मातरम
वन्दे मातरम
वन्दे मातरम

हम वतन के नौजवाँ हैं
हमसे जो टकराएगा
हमसे जो टकराएगा
वो हमारी ठोकरों से
ख़ाक में मिल जाएगा
ख़ाक में मिल जाएगा
वक़्त के तूफ़ान में
बह जाएँगे जुल्मो सितम
आसमाँ पर ये तिरँगा
उम्र भर लहराएगा
उम्र भर लहराएगा
जो सबक़ बापू ने सिखलाया
भुला सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन
सर झुका सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन
सर झुका सकते नहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.